



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1
PART I—Section 1

प्रार्थिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 166] नई दिल्ली, बुधवार, अगस्त 18, 1988/श्रावण 27, 1910
No. 166] NEW DELHI, THURSDAY, AUGUST 18, 1988/SHRAVANA 27, 1910

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग सज्जना के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

वित्त मंत्रालय

(राजस्व विभाग)

नई दिल्ली 18 अगस्त, 1988

सामयिक सूचना

सं. प्रतिप्रदायी/स. ग. -8/88

प्रा. सं. 600/2502-2902-3/88 प्रतिप्रदायी:—सीमाशुल्क और केन्द्रीय उत्पादन शुल्क अधिनियमों की
विश्लेषणात्मक 1971 (भारत के राजपत्र, असाधारण, दिनांक 25 अगस्त, 1971 में प्रकाशित अधिसूचना सं.
52/फा ग 662/2/70-प्र अ.) के नि.प्र 4 के साथ पठित नियम 3 के अधीन केन्द्रीय सरकार इस संज्ञा

1 विनांक 31 मई, 1988 में प्रकाशित नॉर्मिनिक सूचना सं. प्र. घ. वि. सू. -7/88 की मांगी न एनड्रास निम्नलिखित संशोधन करती है:—

1. उपक्रम सं. 2502 (ग) तथा इसमें संबंधित प्रविष्टियों के बाद निम्नलिखित उपक्रम संख्या और प्रविष्टियां अन्तर्स्थापन की जाएगी प्रयत्न:—

उपक्रम सं.	माल का विवरण	प्रतिप्रदायनी की दर	विवरण	
			मी. ग.	के. उ. ग.
"2502 (ग) पूर्ण तरह मानव निर्मित	8 20 क.	(केवल घाट रूप में)	सम्पूर्ण कच्चीय उपकरण	शुद्ध
बेसुलाय डिस्कॉस - टेप	सतर दस)	प्रति किलोग्राम		
	फाइनर में भरा हुआ था।			

टिप्पणी:—उपक्रम सं. 2502(ग) के तहत दर में वार पर सदैव नई इंगी जो फाइनर अपशिष्ट, गार् अपशिष्ट अथवा गार् को कानन पर अथवा किसी अन्य प्रक्रिया में प्राप्त होने वाले कौशल अपशिष्ट से बनाया गया है।

2. उपक्रम सं. 2903 के तहत टिप्पणी 3 के पञ्चात् निम्नलिखित टिप्पणी संख्या 4 अन्तर्स्थापन की जाएगी प्रयत्न:—

"टिप्पणी सं. 4 यदि बमड़े के तृते का निर्गतक शुद्ध फेट इकटारी प्रमाणपत्र/आधान-नियामक, जिन सब स्कीम का लाभ उठाना है अथवा वह संसाधन अधिनियम, 1962 की धारा 85 के तहत बांड सदान निर्माण श्रविका के तहत निर्माण करना है और वह बमड़े के तृते के लिये गिरो/स्वीर फाइनर/वाइनिंग/बाइजक टेपों/आमजका/फर वाइनिंग/एक. गोला/एमबीनिंगमेंट (मजावड) आदि जैसा आवश्यक निर्देशिका का न कि तैयार बमड़ा अथवा बम संसाधन या शुद्ध शुद्ध आयात करने में तब उसे पार पर्वत मि.शु.क. शुद्ध के उ प्रविष्टि की दर पर प्रतिप्रदायनी का लाभ दिया जाएगा।

कामेश्वरी मुक्त, मणियत, बर, पंचक

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

New Delhi, the 18th August, 1988

PUBLIC NOTICE

NO. DRAWBACK/PN-8,88

F. No. 600/2502-2902-03/88-DBK.—Under Rule 3 read with Rule 4 of the Customs and Central Excise Duties Drawback Rules, 1971 (Notification No. 52/F. No. 602/3/70-DBK Published in the Gazette of India, Extraordinary, dated the 25th August, 1971), the Central

Government, hereby makes the following amendments in the Table published in the Ministry's Public Notice No. Drawback/PN-7/88 dated the 31st May, 1988 :—

1. After Sub-serial No. 2502 (B) and the entries relating thereto, the following Sub-serial No. and entries shall be inserted, namely :—

Sub-Serial No.	Description of goods	Rate of Drawback	Allocation Cus. C. Ex.
2502 (C)	Yarn spun wholly out of man-made cellulosic viscose staple fibre	Rs. 8.70 (Rs. 8.50 plus 2% ad valorem)	All Central Excise

Note :—The rate under S.S. No. 2502(C) shall not be payable to yarn spun out of fibres obtained from fibre waste, yarn waste or fabric waste by yarn cutting or by any other process."

2. The following Note No. 4 shall be inserted after Note 3 under Sub-serial No. 1902, namely :—

"Note No. 4 : In case the leather shoe exporter avails of the benefit under DEEC Import-Export Pres Book Scheme or manufacturing in bond facility under section 65 of the Customs Act, 1962 and import duty free required inputs for leather shoe manufacture, like zips/snap fastener/lining/adhesive tapes/adhesives, fur lining/unit soles/embellishments etc. but not finished leather or leather chemicals, he shall be extended Drawback at the reduced rate of 3% of f.o.b. value."

KAMESWARI SUBRAMANIAN, Under Secy.

